



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

ग्राफिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 212]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 25, 1991/आश्विन 3, 1913

No. 212] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 1991/ASVINA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए भें
रक्ता जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

आणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 218 आईटी सी (पी.एन.)/90-93
नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1991

विषय:—1990-91 के लिए 375 मिलियन येन
(375,000,000 येन) की जापानी अनुदान
सहायता के अन्तर्गत जापान से उत्पादों के
परिवहन के लिए अपेक्षित सेवाओं और मछली
पकड़ने वाली जाली बनाने की मर्यादा संबंधी
परियोजना के निष्पादन हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आई.पी.सी./23/(78)/90—93:—1990-
91 के लिए 375 मिलियन येन (375,000,000 येन) की
जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से उत्पादों के
परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं और मछली पकड़ने वाली
जाली बनाने की मर्यादा संबंधी परियोजना के निष्पादन हेतु

उपस्कर के आयात के लिए लाइसेंसिंग शर्तें इस सार्वजनिक
सूचना के परिणाम में दी गई हैं, जो सूचना के लिए अधिसूचित
की जाती हैं।

डी. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
आणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 218
आई.टी.सी. (पी.एन.)/90—93 दिनांक 25-9-91 का
परिणाम

वर्ष 1990-91 के लिए 375 मिलियन येन
(375,000,000 येन) की जापानी अनुदान सहायता के
अन्तर्गत जापान से उत्पादों के परिवहन के लिए अपेक्षित
जाली बनाने की मर्यादा संबंधी परियोजना और सेवाओं
का विस्तार करने के लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

(खण्ड—1) सामान्य शर्तें

1(1) वर्ष 1990-91 के लिए 375 मिलियन येन की
जापानी अनुदान सहायता उपस्कर के आयात के लिए और

उसके भारतीय पतनों पर परिवहन के लिए सेवाओं के लिए संभरकों को जी जाने वाली अदायगी के वित्त पोषण के लिए है।

1(2) आयातक के नाम में जापान लाइसेंस कुल मिलाकार 410 मिलियन येन (लागत दीमा भाड़ा) मूल्य में अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक “1990-91 के लिए 375 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता” होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए नाइसेंस कोई “प्रम/जे एन” होगा। परन्तु सामान्य खुले नाइसेंस के शर्तानुसार आप वाली मदों के लिए कोई शर्तान लाइसेंस नहीं है।

1(3) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेपण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भाग्तीय अभिकर्ता को भारतीय राष्ट्रों में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और लाइसेंस पर ही प्रशासित किया जाएगे।

1(4) अरब्जर की प्राप्ति इस अनुदान के अन्तर्गत जापान में ही की जाए।

1(5) अयात लाइसेंस लागत दीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जाएगा जोकि 21-1-1992 तक वैध रहेगा।

1(6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक खाते देंति, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों द्वारा प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसी नृपर्णी की अपवित्रि के लिए भी इस प्राप्ति व्यवस्था होनी चाहिए। —

“सुगुर्दंगि 5-1-1992 तक पूर्ण की जानी है।”

1(7) संविदा का मूल्य लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क नृपर्णी आधार पर येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन की भित्र को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भाग्तीय अभिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अत्यंत किसी मुद्रा में उके का मूल्य किसी भी परिविति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धन्याशः अलग-अलग प्रदर्शन की जानी चाहिए, परन्तु उके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या उके में निर्दिष्ट लिए गए भाड़े का वास्तविक खर्चों के शास्त्रियता येन धन्याशः होगी।

1(8) क्रम संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रियों द्वारा जापानी राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित जापानी वैध अपवित्रियों की माथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पावता होगी वह दो अन्येक संविदा के गाथ दोहरी जानी चाहिए।

खण्ड—2 संभरण उकों में निम्ननिखित गर्त विशेष स्पष्ट समाधिष्ट होनी चाहिए: —

2(1) 1990-91 के लिए 375 मिलियन येन की अनुदान सहायता से संबंध इस संविदा की व्यवस्था 22 जनवरी 1991 का भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) विदेशी संभरकों को भुगतान द्वारा (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1990-91 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता प्रवं नेत्रा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, इण्डियन आयन भवन, 5वां नल (क्री. विंग) जनपथ, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत है जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हों।

2(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के माथ विचार-विमर्श बागे के पोतलदान की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया हो और उस उद्देश्य से वह शाहमल माल की इनीवरी के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करता रहेगा और कम से कम ४० हफ्ते पहले अपेक्षित पोतलदान की अधिसूचना भारतीय दूतावास को देगा ताकि समुनित व्यवस्था की जा सके। आवाद स्वरूप अग्रर आयातकर्ता चाहे तो नोटिस दी हम अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलावान के बाद आयातकर्ता को केवल द्वारा आवश्यक व्यौरे की सूचना देने के लिए भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड—3 भारत सरकार और जापान द्वारा उके का अनुमोदन।

3(1) जो ही ग्राहेशों को अनिम्न रूप देंदिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षणित उके की पांच प्रतियों या जापानी संभरकों को भाग्तीय आयातक द्वारा दिये गए, क्य ग्राहेश के साथ जापानी संभरक द्वारा विवित रूप में पुष्टिकरण शादेंग की चार प्रतियों सहित सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध—1 के प्रपत्र में “ए/पी जारी करने के आवेदन” की दो प्रतियों सहित अवर मचिव (जापान) आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय नार्थ लालक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रतियों संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों में उन्नप्त राशी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (डी ई पी) जापान अनुभाग 1990-91 के लिए 375 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की दो प्रतियों जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के माथ-माथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित इस्तावेजों का एक-एक सैट लेखा व लेखा परीक्षा और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से टेका अनुसोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय अर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लाक जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, अर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, इंडियन ऑफिल भूमत, 5वां नल वी. विंग जंपपथ, नई दिल्ली-110001 को देगा जोकि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध—2 के अनुसार एन “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियों भारत सरकार का दूसराम टोकियो, आयातक भारत में आयातक वे बैंक और इन मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग वाली भेजी जाएगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक ऑफ इंडिया टोकियो जापान सरकार भारत का आज्ञावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और मद्दयता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना दें। इस प्राप्ति से सूचना से संभरक को अध्यगत करायगा।

3(5) प्रतिलिपि करने के बाद जापानी संभरक अपने धैर्यों (ए/पी) में उल्लिखित इन्वेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यह दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकरों के माध्यम में रिहा करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय धैर्यिक प्रभारों का भुगतान भारत में आयातकतां के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्राप्तित किए विना सामन्य बैंक सूत्रों के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को धन फेरेण द्वारा तय किया जाएगा।

खण्ड-4 रूपया निषेष फरने के लिए उत्तराधिकार

4(1) मूल पगाकाम्य पोत परिवहन दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो, द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंकों द्वारा जापानी भारतीय स्टेट बैंक ना अनुबंध-1 में (ए) पर यथा-उल्लिखित किसी राष्ट्रीय रूपे बैंक की एक शाखा होगी जो संविधित आयातक वो पगाकाम्य जटाजरानी दस्तावेज रिहा करने ए पूर्व इस बात को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई ये भुगतान की समतुल्य रूपये की धनराशि के बराबर रूपया उन मानकों में जहां देने योग्य है, व्याज के प्रभारों सहित मुहूर्य अदायगी की राशि सहित संशरण को भुगतान कर दिया है और उभ धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की नियि से वास्तविक रूपये जमा करने की तिथि तक को अवधि पर पहले 30 दिनों के लिये 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और शेष अवधि के लिये 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिमाव लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन) / 83, दिनांक 20-8-83 और 35-आई टी सी (पी एन) / 83, दिनांक 26-8-83 की शर्तों के अनुसार

(पी एन) / 83, दिनांक 26-8-83 की शर्तों के अनुसार संभरकी लेखों में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों अर्थात् जिन दिन विदेशी संभरक को भुगतान दिया जाता है और उस दिन संभरकी लेखों में रूपया जमा किया जाता है, देय है, वैधिक सार्वजनिक रूपना सं. 103-आई टी सी (पी एन) / 76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 210-प्राई टी सी (पी एन) 85-88, दिनांक 20-7-87 द्वारा संघोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन) / 74, दिनांक 31-5-74 आयातक द्वारा किए जाने वाले रूपये निषेषों को निकटगम रूपये में गिना जायेगा। विदेशी संभरक को अंकित रूपये ये ये भुगतान के समतुल्य रूपये की गणता करने के लिये अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तरीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक रूपना सं. 8-प्राई टी सी (पी एन) / 76, दिनांक 12-1-76 तथा सार्वजनिक रूपना सं. 13-प्राई टी सी (पी एन) 85-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, ग्रामान्तरियां के सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनियम नियंत्रण परिवर्तों के माध्यम से सरकार द्वारा ममत्र-समग्र पर घोषित की गई हो। उन नियंत्रण में भी और द्वारा जीवन की दर के संबंध में भी जब भी कोड प्रायत्नेत अवधिक होगा अधिसूचित कर दिया जायेगा। यह मुंसिंचन करने के लिये भारतीय बैंक को जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही धन वैशिष्ट्य परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमांगूलक प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने में पहले जमा नहीं कर पाता तो श्रमों के लिये उसे प्राधिकार-पत्र देना बन्द कर दिया जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया निषेष किया जाएगा वह “के डिपार्टमेंट एण्ड इडवान्सिज-8443 सिविल डिपार्टमेंट-डिपार्टमेंट फार परन्चिज एक्स्ट्रा एड्राइवर ग्रांट एड फ्रॉम दि गवर्नरेंस ऑफ जापान फार 1990-91 ग्रान्ट फार दि परवेज ऑफ नेट मेंटिंग डिविप-मेंट्स।

4(2) ऊर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ताम्हन्हजारी-दिल्ली में चालान में ऊर दाँड़ी और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देने हुए या ऐसा भेंधव न हो तो पैमा भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी अन्यगी शाखा या किसी राष्ट्रीय बैंक (इवर) में डिमाण्ड ड्रापट लेफ्ट उसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-७ (इयी एण्ड पेटी)

को अदा किया जाए लिखकर सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा-निर्धारित रूप में जमा होना चाहिए।

4(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसा किया जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में सम्बद्ध बैंक भी ऊर निर्धारित तरीके से यह अंतिग्निक धनराशि सेवा खर्चों के निर्मित भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरने समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 के पैर 2 में निर्धारित सूचना चालान के काम “धन परेपण” और प्राधिकारी (यदि काई हो) के पूर्ण बैंकों में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं; खजाना चालान में निम्नलिखित बैंकों निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा का यह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निश्चेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।
- (घ) अदा किए गए ब्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है।
- (ङ) कुल जमा राशि।

(ब्याज की गणना जोपानी संभरक को अदायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रूपया सरकारी खाते में जमा कराया है, की जाएगी।)

उसके पश्चात् सी.ए.ए.एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का सन्दर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत-परिवर्तन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का माध्य देते हुए पंजीकृत छाक द्वारा सी.ए.ए.एण्ड ए. को भेजा जाना है।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपए का निश्चेप भारतीय बैंक टोकियो की अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की नद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निशेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एम” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड 5—विविध ध्यवस्थाएं

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्ट—संभरक को की जाने वाली अदायगियों की राशि और तारीख को सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी होगी आयातक के बैंक द्वारा देर या विलम्ब से प्राप्त पोत-परिवहन इत्यादि प्रलेखों की प्राप्ति के रूपया निश्चेप गणि पर देय ब्याज राशि को आंशिक या पूर्ण रूप में माफ करने का कारण नहीं माना जाएगा।

आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में माख-बत्ते खालते के बाद एक मानिक रिपोर्ट सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय इंडियन आयन भवन, 5 बां तल (बी. बिंग) जनपथ, नई दिल्ली—110001 को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को उन किसी विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुदान सहायता के अंतर्गत भाल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि साइरेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध—1 में “भुगतान की शर्तें” के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। सर्विदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबद्ध ध्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5(4) भावी अनुदेश

जापान से 1990-91 के लिए अनुदान सहायता के अंतर्गत आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापान से इस अनुदान सहायता के अंतर्गत सभी आधारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्धारण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध—1	प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
	अनुरोध
अनुबंध—2	प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।

अनुबन्ध-1

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रारंभना पत्र संख्या—

सेवा में,

महायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
“बी” विंग, 5वां तार, जनपथ भरन,
जनपथ, नई दिल्ली । ।

विषय :- जारी जापाने की मरीन संबंधी परियोजना का विस्तार करने के लिए 1990-91 के लिए 375 मिलियन येन की जापानी अनुदान महायना के अंतर्गत जापान से भारत प्रस्तुतों पर उपस्कर के परिवहन के लिए अधेक्षिण उपस्कर और सेवाओं का आयान ।

महोदय,

उपर उल्लिखित अनुदान महायना के अधीन जापान से अग्निशमन और बचाव उपकरणों और उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के संबंध में हम संबद्ध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं ।

- (क) भारतीय आयानक का नाम और पता ।
- (ख) आयान लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह वैध है ।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर अधारित हैं या सीमित खुली निविदा पर अधारित हैं । इस सामने में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।
- (ङ) माल का उद्गम देश ।
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रूपये में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में) ।
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।
- (झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक । जापानी संभरक का नाम और पता ।

- (ट) वे भुगतान और गंभीरति तिथि जिनको संविदाओं के प्रत्येक देव होंगे ।
- (ठ) माल की सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्यागति तिथियां ।
- (उ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट का संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए) ।
- (ड) पोतलदान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय वाहनात्तरण/आंशिक पोतलदान निर्दिष्ट कीजिए) ।
- (ण) भारत में प्रायातक के बैंक का नाम और पता ।
- (न) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कोन बहन करेगा । कृपया निर्दिष्ट करें ।
- (थ) प्रायातक द्वारा बचनबद्धता—“हम एनदब्ल्यूआर बचन देते हैं कि हम विदेशी संभरकों को नियंत्रणराशि के समतुल्य रूपये को पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे । माल (आयातिन मामाग्री) के प्रत्येक परेशण की सुपुर्दगी प्राप्त करने में पूर्ण राशि यीक्षण ही जमा करवा दी जाएगी । विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के सामने में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरकों के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरकों को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी ।

भवदोय,

अनुबन्ध-2

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र संख्या—

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय :- 1990-91 के लिए 375 मिलियन येन की जापानी अनुदान महायना के अंतर्गत जापान से भारत के प्रस्तुतों पर उपस्कर के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं का आयान । भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 22-1-1991 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एनदब्ल्यूआर परिशिष्ट

में दिए गए यथासंलग्न व्यौरे के अनुसार सर्व थी ————— को ————— येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाना है ।

2. कुपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का पायती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए ।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिणिट में यथा सांकेतिक लदान दस्तावेजों के प्राधार पर किया जाएगा ।

4. विदेशी संभरकों को भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पत्र) ————— मूल पोत परिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों का पूरा सैट और संरक्षक को आदायगी के लिए नामे बीजिक की प्रति जिसमें आदायगी यदि कोई हो भेजी जानी चाहिए ।

5. आयातक द्वारा आपको दस्तावेजों, संभरकों एवं बैंकों के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित शादा किए जाने वाले वैकिंग भाड़े आयातक के बैंक के द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जायेंगे ।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेजों आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए ।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है ।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ————— तक बैंध रहेगा ।

9. इस अधिकार पत्र के शीर्ष पर विद्या गया है इस संविदा से संबंधित सारे पत्राचार में और बीजिक के आदायगी दर्शते हुए भी इसे लिखा जाए ।

भवदीय,
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक ————— को उसके पत्र सं. ————— दिनांक के ————— के संदर्भ में ।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निष्केप आदि जमा कराने

का प्रबंध करें । यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी रीवे ही सीमाशुल्क और पत्रन प्राधिकारियों में मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निष्केप किए जाने चाहिए । विदेशी राष्ट्रियों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजिक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निष्केप कर दिए जाए । निष्केप जल्दी ही और ठोक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है ।

2. आयातक के बैंकर ————— । (1) यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है । लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखे और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्रवाई करें ।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि वैक आफ इंडिया टोकियो न्यांब में दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें । गभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-आई टी सी (पी एन)/88-89, दिनांक 6-4-88 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित वर पर की जाएगी । प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया को प्रतिरूपि की तारीख और जिन तारीख को समतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 35-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा कराना है । व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखे में रुपया जमा कराया जाता है । (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा) । 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85-88 की शर्तानुसार आयातक द्वारा निष्केप किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपये के गुणक में की जानी चाहिए । यह सुनिश्चित वर लेना चाहिए कि आयातक की सीमाशुल्क निकारी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व वह धनराशि जमा की जाती है ।

(3) वे धन राशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के

दादिरी और नोट सं. 5130000009 दर्शते हुए जमा करनी चाहिए। इन संपत्र में उनका यात्रा नार्वेजिन क सूचना सं. 103-आई.टी.सी. (पा.एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिनाया जाता है। यह लेखा शीर्ष जिसमें रूपया जमा कराता है। “के डिपोजिट्स एण्ड प्रॉटोटाप्स-8443-विविध डिपोजिट्स डिपोजिट्स नोट बेपरिंग इस्टेट डिपोजिट्स फार पर्वेजिंग एटमेट्रो अवरोड, पर्वेजिंग अण्डर ग्रांट ग्रांट फार मिनिपन येन ग्रांट एण्ड फार पर्वेज आक नेट मेंकिंग इक्विपमेंट्स/सर्विसिंज द्वारा।

(4) जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या एटेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पा.एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए। उन मामलों में चलान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए। एक अत्रेपण पत्र होना चाहिए।

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, (प्रार्थक कार्य विभाग)
इंडियन आयल भवन, 5वां तल (वी. विंग),
जनपथ, नई दिल्ली-110001

(5) जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊपर सूकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रूपये चुकाए गए व्याज की गणि और वह अवधि जिसके लिए व्याज गिता गया है, का पूरा व्यूग इण विभाग को भेजना चाहिए।

(6) ब्रांच के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हों तो वे भारतीय बैंक और नैक आफ इंडिया, टोकियो वे बीच सीधे तय किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीलर के स्प में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिर्दिष्ट किया गया है। इस मंबंध में 18-6-1977 के ग.डी. परिपत्र सं. 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय द्रुतावास, टोकियो ।

4. अवर मन्त्रिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, प्रार्थक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई.टी.सं. —————— दिनांक —————— के संदर्भ में ।

(
लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

Public Notice No. 218-ITC(PN)90-93

New Delhi, the 25th September, 1991

Subject.—Licensing conditions for the execution of Fish Net Making Machine Project & Services necessary for the transportation of the products from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 475 million (Yen 375,000,000).

File No. IPC/23(78)90-93.—The terms and conditions governing the Licensing conditions for import of equipment for the execution of Fish Net Making Machine Project & Services necessary for the transportation of the products from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 375 million (Yen 375,000,000), are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 218-ITC(PN)1990-91, dated 25-9-91

Licensing Conditions for the execution of the Expansion of Net Making Machine Project services necessary for the transportation of the products from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 375 million (Yen 375,000,000).

SECTION I GENERAL CONDITIONS :

I. (i) The Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 375 million is intended to be used for financing payments to Japanese suppliers for import of equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, and these for internal transportation therein.

I. (ii) The Import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 410 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription ("Yen 375 million Japanese Grant Aid for 1990-91"). The licence code for the first and second suffix will be "S|JN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

I. (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licences, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agents Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore be charged to the Licence.

I. (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I. (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 21-1-1992.

I. (vi) The amount contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

“delivery to be completed by 5-1-1992”.

I. (vii) The cost/contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

SECTION II.—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the agreement dated the 22nd Jan. 1991, between the Governments of India and Japan concerning the Grant—Aid of Yen 375 million for 1990-91 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant—Aid for 1990-91.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

SECTION III.—Contract Approval by the Governments of India and Japan :

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Japan) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 5 copies of the contract duly signed by both parties or purchase order by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P", in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the content of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant—Aid for 1990-91 of Yen 375 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhawan, Vth Floor B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo. The importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

SECTION IV.—Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The Original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (i) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83 and No. 35-ITC(PN)83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which payment is made to the rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. Ni. 103-ITC(PN)76 dated 2-10-1976. The terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)76 dated 17-1-1976 and Public Notice No. 113-ITC(PN)88-91 dated 6-4-1989 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importer. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K—Deposits and Advances 8443—Civil Deposits." Deposits not bearing interest Deposits for purchases etc. abroad—Purchase Grant Aid from the Government of Japan" for 1990-91 Grant for purchase of Net Making Equipments.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No 513000000 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any Branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and Payer) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rates of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier up to and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challan evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the 'A/P' issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

NOTES.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the service of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

SECTION V.—Miscellaneous provisions :

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid.—The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc., by the Importers Banker will not be acceptable as a reason on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the 'A/P' has been issued regarding shipments and payments made hereagainst and about the balance left, to the controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhawan, 8th Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier are payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly put out by the importer in Annexure I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions.—The importer shall promptly comply with any directions, instructions or order issued by Government of India from time to time regarding any

and all matters arising from pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1990-91 from Japan.

V (v) Breach or violation.—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures :

- Annexure I.—Request for issue of 'A/P'.
- Annexure II.—Form of 'A/P'.

ANNEXURE-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
B-Wing, 8th Floor,
Janpath Bhawan, Janpath,
New Delhi.

Subject.—Import of Equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 375 million for 1990-91 to the execution of the Expansion of Net Making Machine Project.

Sir,

In connection with the import of equipment and the Equipment services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian Importer.
- (b) Number, Date and value of the import licences and date upto which it is valid.
- (c) Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian Rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable date on which Payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating number of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's Bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer—"hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign

supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of Payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers.

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

Authorisation to Pay No. _____

No. _____

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs,
New Delhi, the 1991

To,

The Bank of India.
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject.—Import of Equipment and services necessary for the transportation of the equipment to the ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 375 million for 1990-91. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sir,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 22nd January, 1991 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advise to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. On making Payment to the foreign suppliers you should send to _____ (Name and address of Importers Banker) the original shipping documents negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling document and charges of overseas suppliers Banker if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the Importers' Bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their Letter No. _____ dated _____. They are requested to arrange to deposit through their banker, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and corrected may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker _____ :

(i) This authorisation to Pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign Payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-JTC(PN)/70 dated 17th January, 1976 and 113-JTC(PN)/88-91 dated 6th April, 1989 or such other Public Notice as may be issued from time to time interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notice No. 31-JTC(PN)/83 dated 10th August, 1983 and No. 35-JTC(PN)/83 dated 26th August, 1983. The interest is payable for both the days i.e., the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-JTC(PN)/85-88, dated 20-7-1987 the rupee deposits to be made by the importer is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with R.B.I. New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee

and payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC(PN)/76, dated 12th October, 1976. The Head of account to be credited is 'K-Deposits, Deposit not bearing interest Advances-8443-Civil Deposits, Deposit for purchases etc. abroad—purchases under Grant Aid from Government of Japan, for 1990-91, under detailed head "Yen 375" million Grant Aid for purchases of Net Making Machine equipments services.

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in Cash at the R.B.I., New Delhi or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October, 1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Indian Oil Bhawan, 8th Floor, (B-Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of Demand drafts as laid down in the Public

Notice dated 24th October, 1968, mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The Banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. Circulars of the Reserve Bank of India specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18th June, 1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.A. No. _____ dated _____

()
Accounts Officer

